

भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी

डॉ . रोहिदास गवारे
सहा . प्राध्यापक हिंदी विभाग
अ . र . भा . गरूड महाविद्यालय शेंदुर्नी
जि . जलगाँव .

भाषा क्या है □

- संस्कृत के भाष धातु से भाषा शब्द बना
- अर्थ : बोलना या कहना
- भाषा की लिपि : देवनागरी
- भाषा का विकास : संस्कृत□प्राकृत□अपभ्रंश से मराठी बंगला उडिया असमिया पंजाबी हिंदी आदि .

सूचना प्रौद्योगिकी क्या है

- ऑकड़ों का इकट्ठा करना
- सूचना संग्रह
- आदान प्रदान
- अध्ययन
- डिजाइन आदि कार्यों के निष्पादन के लिए आवश्यक कम्प्यूटर हार्डवेअर एवं सॉफ्टवेअर के प्रयोग से संबंधित है।

सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व

- सेवा अर्थतंत्र
- पिछड़े देशों का सामाजिक आर्थिक विकास
- नए रोजगारों का सृजन
- शिक्षा स्वास्थ्य व्यापार प्रशासन उद्योग अनुसंधान व विकास संगठन प्रचार धर्म आदि .
- पूरी धरती को एक गाँव बना दिया

सूचना का प्रसार

- सूचनाएं हमें परंपरागत माध्यमों इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट माध्यमों से मिलती हैं
- पत्रपत्रिकाएं
- रेडियो
- टेलीविजन दूरदर्शन
- कंप्यूटर
- इंटरनेट : फेसबुक ट्विटर ब्लॉग
- मोबाइल वॉट्सएप एस . एम . एस .

क्या तकनीक हमारी रचनात्मकता खत्म कर रही है □

- विचार करने का अवकाश व स्पेस नहीं देता जो कि रचनाधर्मिता की सबसे प्राथमिक शर्त है ।
- भाषायी विविधता व सांस्कृतिक बहुलता को नष्ट कर रही है ।

इंटरनेट पर निजता की सुरक्षा एक बुनियादी चुनौती

- सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा नए शब्द गठे जा रहे हैं
- दुनिया के बड़े से बड़े विद्यालय महाविद्यालय और विश्वविद्यालय और प्रशासन साइबर बुलिंग साइबर स्टॉकिंग इंटरनेट ट्रोलिंग फिशिंग मॉब लीचिंग स्प्रिफिंग जैसे साइबर अपराधों से निपटने के लिए बड़ी मात्रा में समय संसाधन और श्रम खर्च कर रहे हैं।

सोशल मीडिया का दुरुपयोग और आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियाँ

- झूठ के पैर नहीं होते लेकिन तकनीकी ने झूठ को ताकतवर बना दिया पैर भी दिया सर भी दिया ऑखक्रीन जुवान भी दे दी ।
- जो बात हम कह भी नहीं सकते वह बात भी तस्वीरों के साथ वायरल हो जाती है जिसे मीम कहते है ।
- 'आल्ट न्यूज' जैसी साइट वायरल वीडियों के पीछे का झूठ तो पकड लेती हैलेकिन वो उन सभी के पास नहीं पहुँच पाता ।
- डीप फेक वीडियो : इस तकनिक का गलत इस्तेमाल काफीकिसी भी आवाज को चेहरे पर प्लांट किया जा सकता है
- नेता सामने से झूठ बोल देते है । अखबार वाले उस झूठ का सच बताने से डर जाते है । सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भाषा सत्ता व सरकार के समर्थन में खडी है ।



धन्यवाद...